CLASS:④

जैन धर्म और बौद्ध धर्म

उत्पत्ति के कारण :

(#) ब्राह्मणवादी वर्चस्व : ब्राह्मण वर्चस्व, अनुष्ठान बलिदान

(#) कृषि व्यवस्था : अनुष्ठानिक बलि के कारण व्यापार प्रभावित हुआ।

(#) पंच चिंहाकित सिक्को का प्रयोग : सिक्कों से वैश्यों का व्यापार हुआ।

जैन और बौद्ध धर्म मौजूदा वर्ण व्यवस्था को कोई महत्व नहीं देते थे : लोगो के साथ समान व्यवहार करते थे।

→ माना जाता है (Believed) : वर्ण जन्म के आधार पर नही, व्यवसाय के आधार पर

अंहिसा में विश्वास : दोनो धर्म अहिंसा में विश्वास करते थे।

(*) महावीर और बुद्ध क्षत्रिय थे।

PARMAR SSC

* जैन धर्म *

महान शिक्षक : तीर्थंकर कुल → 24 थे।

- → 1st ÷ Rishabh Dev : Ayodhya ; Bull
- → 23rd ÷ Parshavanath : Varanasi ; Serpent
- → 24th ÷ Vardhaman Mahavir : (main founder) : Lion

(#) वेदों में केवल दो तीर्थंकरों का उल्लेख है :

- 1st ⇢ ऋषभ
- 22वें ⇢ अरिस्टोनेमी

(#) वर्धमान महावीर ÷

- जन्म : 540 BC (approx), कुण्डग्राम (वैशाली, बिहार)
- मृत्यु ÷ 468 BC ; पावापुरी (बिहारशरीफ, बिहार)
  - → 72 वर्ष
  - मोक्ष
- पिता ÷ सिद्धार्थ (कुल → ज्ञातृक क्षत्रिय)
- माता → त्रिशला
- पत्नी → यशोदा

PARMAR SSC

• बेटी → अनोज्जा प्रियदर्शना → जमाली (पति)
↓
महावीर के प्रथम शिष्य

• गृहत्याग किया → 30 वर्ष की आयु में Manali Gosali (Ajivika sec)

• ज्ञान प्राप्त हुआ → 42 वर्ष की आयु में, साल वृक्ष के नीचे
↳ कैवल्य
नदी :- ऋजुपालिका

केवलिन :- perfecly learned
↓
Jitendriya

• पहला उपदेश → पावा

बसादिस (अर्थ) → मठ (जैन का) अर्थात → जैन मठ

* जैन दर्शन *

मोक्ष :- 3 सिद्धांत

K → Right Knowledge (सम्यक ज्ञान)

F → Right Faith (सम्यक दर्शन)

C → Right Conduct (सम्यक चरित्र)

जीवन जीने के 5 सिद्धान्त (प्रतिज्ञा) → अणुव्रत

① # अहिंसा → Non-violence

PARMAR SSC

② सत्य ÷ केवल सत्य बोलें

③ अस्तेय ÷ चोरी न करे

④ ब्रह्मचर्य ÷ यौनरूप से एकनिष्ठ

⑤ अपरिग्रह ÷ भौतिक वस्तुओं, लोक स्थानों से अलग होना

जैनियो के बीच विभाजन

चन्द्रगुप्त मौर्य और भद्रबाहु (मित्र)

सल्लेखना ÷ उपवास से मृत्यु

नेतृत्वकर्ता ÷ दिगंबर

1 महीने के लिए

Karnataka (श्रवणबेलागोला) during Femina in मगध (300 BC)

जब वे लौटे तो सभी ने सफेद कपड़ा पहन रखा था।

नेता ÷ स्थूलभद्र (नेतृत्व ÷ श्वेताम्बर)

का बहिष्कार किया

प्रथम जैन परिषद

298 ई.पू.

12 अंग संयुक्त

संरक्षण ÷ विंदुसार (चन्द्रगुप्त का बेटा)

द्वितीय जैन परिषद :-

वल्लभी गुजरात

512 ई.

PARMAR SSC

जैन साहित्य ÷ प्राकृत भाषा में

वास्तुकला ÷

- # Rock cut Cave Temples : ओडिशा
- # Hathigumpha caves : ओडिशा ; खारवेल
- # Udayagiri and Khandagiri Caves ÷ ओडिशा
- # दिलवाड़ा जैन मंदिर : राजस्थान (माउण्ट आबू)

बनाया गया ⟹ वास्तुपाल ब्रदर्स के द्वारा

Statue of Gometeshwara / Bahubali ÷ कर्नाटक, श्रवणबेलगोला

- 1st तीर्थंकर के बेटे
- महामत्स अभिषेक त्यौहार यहाँ मनाया जाता है।

संरक्षक (Patrons)

- # चन्द्रगुप्त मौर्य और पुत्र बिन्दुसार
- # बिम्बिसार (महावीर और बुद्ध के समकालीन) और अजातशत्रु

बौद्ध धर्म

आइए करते हैं अवलोकन

PARMAR SSC

गौतम बुद्ध : → शाक्य वंश के थे

जन्म → 563 ईसा पूर्व ; लुबिंनी ; नेपाल

मृत्यु → 483 ईसा पूर्व ; कुशीनगर

बचपन का नाम → सिद्दार्थ

पिता → शुद्धोधन

माता → महामाया

सौतेली माता → महाप्रजापति गौतमी → प्रथम भिक्षुणी

पत्नी → यशोधरा

बेटा → राहुल

घर छोडा → 29 वर्ष

प्रथम शिक्षक → अलारा कलामा

द्वितीय गुरु → उद्रक रामपुत्र

ज्ञानोदय → उरुवेल्ला (बोधगया) ; एक बोधि वृक्ष के नीचे

नदी : निरंजना

प्रथम उपदेश दिया → सारनाथ ; वाराणसी

PARMAR SSC

बुद्द के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाएं ÷

PARMAR SSC

रथ ÷→ चन्ना
(Chariot)

÷ बुद्द के जीवन के महत्वपूर्ण प्रतीक ÷

कमल (Lotus) → जन्म
घोडा → गृहत्याग (महाभिनिष्क्रमण)
बोधि वृक्ष → प्रबोधन (निर्वाण)
पहिया → 1st उपदेश (धर्मचक्रप्रवर्तन)
स्तूप → मृत्यु (परिनिर्वाण / महापरिनिर्वाण)

* 4 आर्य सत्य *

1. दुख का सच।
2. दुख के कारण का सत्य।
3. दुख के अंत का सत्य।
4. दुख के अंत की ओर ले जाने वाले मार्ग का सत्य ॥

8 मोड मार्ग ÷ दुःख को समाप्त करने के लिए

PARMAR SSC

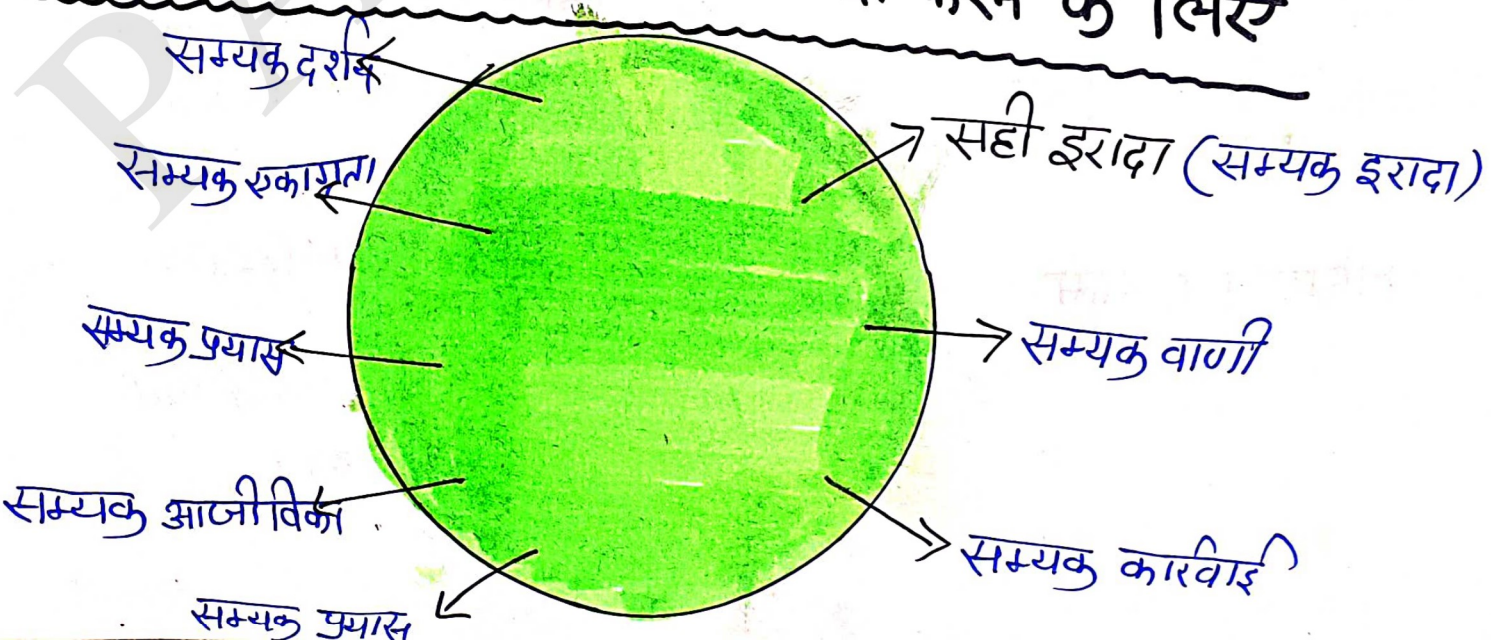

÷ बौद्द परिषद ÷

बौद्द परिषद	संरक्षण	प्रेसीडेंसी
पहली ÷ राजगृह (400 ईसा पुर्व / 483 ईसा पुर्व)	अजातशत्रु	महाकश्यप
दूसरी ÷ वैशाली (383 BC)	कालाशोक	सबकामी
तीसरी ÷ पाटलिपुत्र (250 BC)	अशोक	मुगलपुत्र तिस्सा
चौथी ÷ कश्मीर (72 AD)	कनिष्क	वासुमित्र

÷ बौद्द धर्म के सम्प्रदाय ÷

(2 संप्रदायो में विभाजित)

हीनयान

\# मूर्ति पूजा पर विश्वास नही था

\# Text (पाठ भाषा) ÷ पाली

महायान

\# मूर्ति पूजा में विश्वास था

\# पाठ (भाषा) ÷ संस्कृत

\# बोधिसत्व के नाम ÷ वज्रपाणि, अवलोकितेश्वर, अमिताभ

वज्रयान

\# तांत्रिक बौद्द धर्म (पूर्व का)

बौद्ध ÷ पाठ ÷ पाली (प्रमुख रुप से) और संस्कृत

पाली → त्रिपिटक

बौद्ध पाठ ÷

- सुत्त ÷ → बुद्ध की शिक्षाएं
- विनय ÷ → मठवासी न्यायालय और नियम
- अभिधम्म ÷ सुत्त की व्याख्या

पाली ÷

मिलिन्दपनहो ÷ मिलिंद और नागसेन के बीच संवाद

संस्कृत ÷

बुद्धचरित्र → अश्वघोष द्वारा

जातक कथाएं ÷ मानव और पशु दोनो रुपो में बुद्ध के पिछले जन्मो के बारे में ।

* Terms of Buddhism *

- चैत्य → Buddhism
- बिहार → प्रार्थना
- धम्म → धर्म
- स्तूप → Stupas

तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व और 12 वी शताब्दी ईसा पूर्व से संबंधित

- सबसे बडा ÷ केसारिया (बिहार)
- धमेक → सारनाथ (उ० प्र०)
- रामभर → कुशीनगर
- साँची → साँची (म० प्र०)

PARMAR SSC

दुनिया भर में :

बोरोबुदुर ⟶ जावा इंडोनेशिया

*बौद्ध धर्म के 8 पवित्र स्थान *

1. लुंबिनी
2. बोधगया
3. सारनाथ
4. कुशीनगर
5. राजगीर
6. श्रावस्ती
7. वैशाली
8. संकासिया

: बौद्ध विश्वविद्यालय :

विश्वविद्यालय	द्वारा बनाया गया
1. नालंदा	कुमारगुप्त
2. विक्रमशिला	धर्मपाल
3. ओदंतपुरी	गोपाल

PARMAR SSC